सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

किसानों की समस्याओं को लेकर विधायक अनिल शमा... पेज: 6

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे ... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 13 | मंगलवार 14 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

हार के डर से एसआईआर को मुददा बना रही ममता : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हुआ था, और उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर विधानसभा चुनावों में हार के डर से प्रक्रिया को मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने कहा कि एसआईआर किसी के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक रोड शो के दौरान बताया, किसी अन्य राज्य में एसआईआर कोई मुद्दा नहीं है। इस संविधान के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा कराया गया है। तमिलनाडु में यह सुचारू रूप से संपन्न हुआ। पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं और कोई समस्या नहीं आई थी। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने दावा किया, पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार एसआईआर को लेकर हंगामा कर रही है, क्योंकि उन्हें (पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को) हार का डर सता रहा है।

हाईकोर्ट के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार, पवन खेड़ा की बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। असम सरकार ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार की इस याचिका ने राजनीतिक

गलियारों में हलचल मचा दी है। पूरा मामला तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने पवन खेड़ा को राहत देते हुए एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मंजूर की थी। हाईकोर्ट का उद्देश्य खेड़ा को इतना समय देना था कि वह संबंधित निचली कोर्ट में जाकर अपनी नियमित जमानत याचिका दायर कर सकें। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की है जिसमें सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर असम में दर्ज एक मामले के सिलसिले में पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार का तर्क है कि पवन खेड़ा के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं और उन्हें इस तरह की राहत नहीं मिलनी चाहिए।

ईरान में फंसे 71 भारतीय मछुआरे सुरक्षित वतन लौटे, उमरगाम में जश्न का माहौल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के उमरगाम तालुका स्थित मरोली गांव और आसपास के इलाकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से ईरान में फंसे करीब 71 भारतीय मछुआरे अब सुरक्षित भारत लौट आए हैं। यह संभव हो पाया है भारत सरकार के सफल कूटनीतिक प्रयासों के चलते। जानकारी के अनुसार, ये सभी मछुआरे रोजगार के सिलसिले में मछली पकड़ने के लिए ईरान गए थे। इसी दौरान ईरान और आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न युद्ध जैसे हालात और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के कारण वे वहां फंस गए थे। इस घटना से उनके परिवारों में गहरी चिंता और बेचैनी का माहौल था। मछुआरों ने वीडियो संदेश के जरिए भारत सरकार और गुजरात सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद वलसाड के सांसद और विदेश मंत्रालय की सक्रिय पहल पर ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने राहत अभियान चलाकर सभी मछुआरों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी 71 मछुआरे भारत लौट चुके हैं और तय कार्यक्रम के अनुसार वे कल उमरगाम रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। उनकी वापसी की खबर मिलते ही मरोली गांव में खुशी का माहौल छा गया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अपने प्रियजनों से मिलने को परिवार उत्सुक हैं। वतन लौटने के बाद मछुआरों ने भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन समय पर मिली मदद ने उनकी जान बचा ली। वहीं, गांव के लोगों द्वारा उनके स्वागत की भव्य तैयारियां भी की जा रही हैं।

जोधपुर रेल मंडल की उपलब्धि : कबाड़ से कमाए 58 करोड़, राजस्व में 300 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

जोधपुर (एजेंसी)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने कबाड़ (स्क्रैप) निस्तारण के माध्यम से 58 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को भी नए स्तर पर ले गया है। यह सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले मंडल ने लगभग 300 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार रेलवे के खजाने में करीब 43.48 करोड़ रुपये अधिक जमा हुए हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे ने 15 हजार मीट्रिक टन स्क्रैप निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया था। जोधपुर मंडल की टीम ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए न केवल लक्ष्य को समय रहते हासिल किया, बल्कि कुल 16,500 मीट्रिक टन कबाड़ का सफल निष्पादन कर लक्ष्य को भी पार कर लिया। डीआरएम ने स्पष्ट किया कि कबाड़ हटाना केवल राजस्व बढ़ाना नहीं है, बल्कि यह रेलवे के नॉन फेयर रेवेन्यू को मजबूती प्रदान करने का एक जरिया है, जिससे प्राप्त संसाधनों का उपयोग यात्री सुविधाओं को आधुनिक बनाने में किया जाता है। इस अभियान का सबसे बड़ा लाभ रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता में देखने को मिला है। रेल पटरियों, यार्डों और वर्कशॉप में वर्षों से पड़े अनुपयोगी लोहे, पुराने रेल ट्रैक और जंग लगे उपकरणों को हटाने से परिचालन अधिक सुरक्षित हो गया है। पुराने केबल और बेकार पड़े सामान हटने से शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा न्यूनतम हो गया है। साथ ही, यार्ड और स्टेशन क्षेत्रों में कबाड़ के ढेर हटने से विजिबिलिटी बढ़ी है, जिससे सुरक्षा निगरानी अधिक प्रभावी हो गई है। परिसर में खाली हुई जगह के कारण अब असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी लगाम कसना आसान हो गया है।

सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा परिसीमन असली मुद्दा

चुनाव के बीच विशेष सत्र पर भी किए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनियां गांधी ने महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि महिला आरक्षण के बहाने सरकार का असली एजेंडा परिसीमन है, जिस पर अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी ने अपने एक लेख में कहा, कि प्रधानमंत्री विपक्ष से उन विधेयकों का समर्थन मांग रहे हैं, जिन्हें संसद के विशेष सत्र में जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि जब तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है, तब इस विशेष सत्र को बुलाने की क्या आवश्यकता थी?

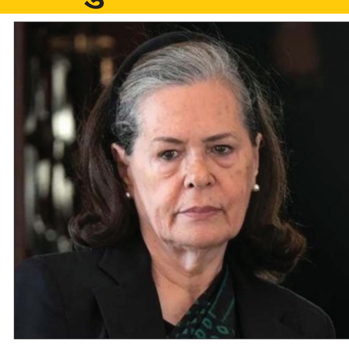

सोनिया गांधी ने कहा, यह पूरा कदम राजनीतिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार 2023 में ही 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर चुकी है, लेकिन इसे लागू करने की शर्त अगली जनगणना और परिसीमन से जोड़ी गई है। ऐसे में उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन असली मुद्दा है, जो संविधान के लिए चिंताजनक हो सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विपक्ष पहले ही मांग कर चुका है कि महिला आरक्षण को 2024 के आम चुनाव से लागू किया जाए। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी साल 2024 में इस संबंध में सरकार से आग्रह किया था, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। अब सरकार अनुच्छेद 334-ए में संशोधन कर इसे 2029 से लागू करने की तैयारी कर रही है।

सोनिया गांधी ने सवाल उठाया है, कि इस फैसले पर सरकार को यू-टर्न लेने में 30 महीने क्यों लगे और पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष तीन बार पत्र लिखकर 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर चुका है, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

खड़गे ने विशेष सत्र की टाइमिंग को लेकर की आपत्ति

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र की टाइमिंग पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि चुनावों के बीच इस तरह का कदम यह दर्शाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। साथ ही, उन्होंने परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है।

सुप्रीम कोर्ट ने लालू को दिया झटका, एफआईआर रद्द करने वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने वाली याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को एक राहत भी दी है। उन्हें अधीनस्थ कोर्ट की कार्यवाही में पेशी से छूट दी गई है। बता दें लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और चार्जशीट दोनों रद्द करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर की बेंच ने कहा कि लालू यादव को ट्रायल कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं। लालू यादव की तरफ से तर्क देते हुए कहा गया था कि सीबीआई ने मुकदमा चलाने के लिए कोई कानूनी मंजूरी नहीं ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले को वह निचली अदालत में भी उठा सकते हैं। आरजेडी नेता लालू यादव ने कहा था कि उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जो कि रद्द होनी चाहिए। इस मामले में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से पहले भी झटका लग चुका है।

बिहार में 15 को हो सकता है नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण, पीएम के शामिल होने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। राज्य में नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा के लिए 14 अप्रैल का दिन बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है, जब औपचारिक रूप से विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल को आयोजित होने वाले भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं शामिल हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी मौजूद रहने की उम्मीद है।

सत्ता हस्तांतरण की इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 14 अप्रैल को बतौर पर्यवेक्षक पटना पहुंच रहे हैं। उनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। इसी दिन मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट की आखिरी बैठक बुलाई गई है, जिसके बाद उनके पद से इस्तीफा देने की पूरी संभावना है। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि प्रधानमंत्री 14 अप्रैल की शाम ही पटना पहुंच सकते हैं और राजभवन या सुरक्षित स्थान पर रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन यानी 15 अप्रैल को समारोह में शिरकत करेंगे।

हालांकि, नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर सस्पेंस अभी भी बरकरार है। राजनीतिक गलियारों में उपमुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी का नाम सबसे मजबूती से उभरा है, लेकिन केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय समेत कुछ अन्य नामों पर भी कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा आलाकमान राज्य के जातीय समीकरणों और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए किसी ऐसे नाम पर दांव लगाना चाहता है, जो सर्वमान्य हो। विधायक दल की बैठक के बाद एनडीए के घटक दलों के साथ संयुक्त चर्चा होगी, जिसके बाद नेता के नाम का आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना के बापू सभागार और लोकभवन को विकल्प के तौर पर तैयार रखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पहले चरण में मुख्यमंत्री के साथ केवल उपमुख्यमंत्री और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विभागों के मंत्रियों को ही शपथ दिलाई जाएगी, जबकि मंत्रिमंडल का पूर्ण विस्तार बाद के चरणों में किया जाएगा। फिलहाल पूरी राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है और बिहार की जनता की निगाहें 14 और 15 अप्रैल की गतिविधियों पर टिकी हैं।

कांग्रेस को जीत नहीं दिला पा रहे राहुल गांधी, पार्टी में उन्हें हटाने का माहौल: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यह बात एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया कि राहुल पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। वह अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी आरोप लगाए थे कि बीजेपी और आरएसएस का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए। उन्होंने मंडी हाउस से 14 अप्रैल को भीमराव

आंबेडकर की जयंती से पहले यहां रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आंबेडकर का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। उन्होंने कहा था आज जो लोग आरएसएस-बीजेपी की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।

बता दें शनिवार को समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की स्मृति में आयोजित समारोह में पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात हुई थी। यह बातचीत इसलिए खास है क्योंकि सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों नेताओं को शिष्टाचार का आदान-प्रदान करने के अलावा शायद ही कभी एक-दूसरे से बात करते देखा जाता है। पीएम जब फुले की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई गणमान्य व्यक्ति एक पंक्ति में खड़े थे। सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन करने के बाद पीएम मोदी, राहुल गांधी के पास रुके और उनसे बातचीत करने लगे। यह पता नहीं चल पाया कि एक मिनट की इस बातचीत में उन्होंने किस बारे में बात की।

खरगे के बयान पर सिंघवी का पलटवार गुजरातियों को मूर्ख समझने वालों को करार जबाव मिलेगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में लोकल निकाय चुनावों का बिगुल बज चुका है और इसके साथ ही राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। वडोदरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नगर निगम चुनाव अभियान का आगाज करते हुए गृह मंत्री (उपमुख्यमंत्री स्तर के नेता) हर्ष संघवी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता का अपमान करने वालों को आने वाले चुनावों में करारा सबक मिलेगा। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ दिन पहले गुजरात के लोगों को ''अशिक्षित'' कहकर दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें ''बेवकूफ'' बना रहे हैं। राज्य के गृह मंत्री संघवी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान के एक सप्ताह के बाद यह बात कही है। गुजरात में 34 जिला पंचायतों, 260 तालुका पंचायतों, 84 नगरपालिकाओं और 15 नगर निगमों (जिनमें अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा शामिल हैं) के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होगा। मतगणना 28 अप्रैल को होगी। संघवी ने कहा, ''गुजरात से नफरत करने वाले और गुजरातियों को मूर्ख समझने वालों को हर जिले में करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता और भाजपा एक बड़ा परिवार है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात की जनता सामूहिक रूप से 2026 के स्थानीय निकाय चुनाव में नया इतिहास रचने के उद्देश्य से आगे बढ़ रही है।

बाबा खरात के 11 ठिकानों पर ईडी का छापा, हो सकता है बड़े नेटवर्क का खुलासा

-अजीब और गोलमोल जवाब देकर जांच एजेंसियों को उलझा रहा, पत्नी है फरार

नासिक (एजेंसी)। नासिक का फर्जी बाबा अशोक खरात मामले अब और गहराता जा रहा है, जिस शख्स पर लोगों को धोखा देने, दुष्कर्म और करोड़ों की ठगी के आरोप हैं, अब उसकी संपत्तियों पर ईडी की छापेमारी ने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है। 11 जगहों पर एक साथ छापेमारी ने साफ कर दिया है कि मामला सिर्फ बाबा तक सीमित नहीं है, इसके पीछे बड़ा नेटवर्क हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पूछताछ में बाबा अशोक खरात बार-बार अजीब और गोलमोल जवाब देकर जांच एजेंसियों को उलझा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वह सच्चाई छिपा रहा है या सच में उसके सीने में बड़ा राज दफन है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की इस कार्रवाई ने मामले को सिर्फ आपराधिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक अपराध के दायरे में ला दिया है। बाबा खरात के घर, ऑफिस, फार्महाउस और मंदिर तक पर छापा मारा गया है जिससे पता चलता है कि जांच एजेंसियां हर पहलू को खंगाल रही हैं। इस बीच उसकी फरार पत्नी कल्पना खरात का रहस्य

भी मामले को उलझा रहा है। पुलिस पिछले कई दिनों से उनकी तलाश कर रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। खुद बाबा अशोक खरात का यह कहना कि 'मेरी पत्नी कहां है, यह सिर्फ भगवान जानते हैं' जांच को और पेचीदा बना देता है।

ईडी ने नासिक में बाबा खरात से जुड़े 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इनमें उसका घर, ऑफिस, फार्महाउस और ईशान्यश्वर मंदिर जैसी संपत्तियां शामिल हैं। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इन ठिकानों से कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिल सकते हैं। यह छापेमारी इस बात का संकेत है कि मामला अब बड़े आर्थिक घोटाले की ओर बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। पूछताछ में बाबा अशोक खरात का रवैया जांच एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ है।

इस बीच पुलिस और एसआईटी बाबा की पत्नी कल्पना खरात की तलाश कर रही हैं। उसके खिलाफ नोटिस जारी किया है ताकि वे देश छोड़कर भाग न सकें। कल्पना ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन अभी तक उन्हें राहत नहीं मिली है। जांच एजेंसियां मान रही हैं कि उसकी गिरफ्तारी से मामले में कई अहम कड़ियां जुड़ सकती हैं। बाबा अशोक खरात को सोमवार को नासिक की कोर्ट में पेश किया क्योंकि उसकी पुलिस हिरासत खत्म हो रही है। एसआईटी इस मामले में उसे एक और केस में हिरासत में लेने की तैयारी कर रही है। अब तक हुई जांच और बरामद सबूतों की पूरी जानकारी अदालत को दी जाएगी। संभावना है कि आगे की जांच में और बड़े नाम सामने आ सकते हैं और मामले की दिशा बदल सकती है।

कर्नाटक : कैबिनेट में फेरबदल या मुख्यमंत्री बदलने की कवायद को लेकर दिल्ली में डाला ढेरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के भीतर कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की मांग को लेकर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। ताजा घटनाक्रम में करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार पर दबाव बढ़ता दिख रहा है। ये विधायक दिल्ली में आलाकमान, विशेषकर राहुल गांधी से मुलाकात कर कैबिनेट में जगह देने की गुहार लगा सकते हैं। या फिर मुख्यमंत्री बदलने की प्रक्रिया का हिस्सा होने की भी आशंका जताई जा रही है।

विधायकों के इस कदम का मुख्य उद्देश्य कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करवाना है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने इस गुट की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि कई ऐसे नेता हैं जिन्हें तीन से पांच बार मंत्री बनने का मौका मिला है। अब समय आ गया है कि उन वरिष्ठ सदस्यों को अवसर दिया जाए जो अब तक वंचित रहे हैं। वहीं, विधायक अशोक पाटन ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने पहले दो साल बाद बदलाव के संकेत दिए थे, लेकिन अब तीन साल बीत जाने के बाद भी फेरबदल का इंतजार बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि केवल अनुभवी नेता ही नहीं, बल्कि पहली बार जीतकर आए विधायक भी मंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी मजबूती से पेश कर रहे हैं। मांड्या से विधायक रविकुमार गौड़ा ने बताया कि लगभग 38 नए विधायकों ने नेतृत्व को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रस्तावित फेरबदल में उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। उनका तर्क है कि राज्य की सेवा के लिए नए दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है। वरिष्ठ विधायकों की मांग है कि कम से कम 20 नए चेहरों को कैबिनेट में स्थान मिले। इस बीच, विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल की इस आंतरिक खींचतान पर निशाना साधा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दावा किया कि यह दिल्ली यात्रा केवल मंत्री पद के लिए नहीं, बल्कि नेतृत्व परिवर्तन के दबाव का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों का एक गुट उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी कर रहा है, जबकि दूसरा गुट सिद्धारमैया को बनाए रखना चाहता है। हालांकि, दिल्ली गए विधायकों ने इसे केवल कैबिनेट में उचित प्रतिनिधित्व की मांग बताया है। अब सारा फैसला कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री के हाथ में है कि वे इस असंतोष को कैसे शांत करते हैं।

आधी आबादी ही है जो ममता दीदी की ताकत बनी हुई है, भाजपा नहीं दे पा रही मात !

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति और विधानसभा चुनावों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों के लिए ममता बनर्जी की सत्ता में निरंतरता एक शोध का विषय रही है। देश की सबसे शक्तिशाली पार्टी भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस का दुर्ग अभेद्य बना हुआ है। इस राजनीतिक मजबूती के पीछे की सबसे बड़ी ताकत ममता बनर्जी की महिला ब्रिगेड है, जो न केवल पार्टी के शीर्ष पदों पर आसीन है, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन की रीढ़ बनकर उभरी है।

71 वर्षीया ममता बनर्जी, जिन्हें उनके समर्थक दीदी कहकर पुकारते हैं, ने अपनी सादगीपूर्ण छवि और संघर्षशील व्यक्तित्व के साथ महिलाओं को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। कन्याश्री, लक्ष्मी भंडार और स्वास्थ्य साथी जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने राज्य में एक वफादार महिला वोट बैंक तैयार किया है। लेकिन ममता की शक्ति केवल वोट बैंक तक सीमित नहीं है; उन्होंने महिलाओं का एक ऐसा नेतृत्व ढांचा तैयार किया है जो संगठन और सरकार दोनों को मजबूती प्रदान करता है। तृणमूल कांग्रेस चुनावों में लगभग 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देती है, जो अन्य राष्ट्रीय दलों की तुलना में कहीं अधिक है।

इस महिला ब्रिगेड में सबसे अनुभवी चेहरों में 70 वर्षीया चंडीमा भट्टाचार्य शामिल हैं। राज्य के वित्त और भूमि जैसे महत्वपूर्ण विभागों की मंत्री चंडीमा, सिंगुर-नंदीग्राम आंदोलन के समय से ममता की भरोसेमंद सहयोगी रही हैं। पेशे से वकील चंडीमा पर नेतृत्व का अटूट विश्वास ही है कि 2016 में चुनाव हारने के बावजूद उन्हें उपचुनाव के जरिए वापस लाया गया और मंत्री पद सौंपा गया। वहीं, 63 वर्षीया डॉ. शशि पांजा, जो महिला एवं बाल विकास मंत्रालय संभाल रही हैं, ने कन्याश्री जैसी योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। संसदीय राजनीति में बारासात से सांसद डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और राज्यसभा में पार्टी की मुखर आवाज डोला सेन जैसे नाम ममता बनर्जी के पुराने और संघर्ष के दिनों के साथी हैं। युवा नेतृत्व में संथाली फिल्मों से राजनीति में आईं बिरबाहा हांसदा जनजातीय क्षेत्रों में पार्टी का प्रमुख चेहरा हैं। इसके अलावा, कृष्णा चक्रवर्ती जैसी नेता पिछले चार दशकों से ममता बनर्जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। अब जब ममता बनर्जी चौथी बार सत्ता में लौटने की तैयारी कर रही हैं, तो उनकी यह सशक्त महिला ब्रिगेड कोलकाता की सड़कों से लेकर दिल्ली के गलियारों तक चुनावी बिसात बिछाने में जुट गई है। यह नेतृत्व ही टीएमसी को बंगाल की राजनीति में अन्य दलों से अलग और मजबूत बनाता है।

डॉ. अंबेडकर : संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के महानायक

योगेश कुमार गोयल

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है।

व्यक्ति नहीं, क्रांति का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर...

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट बौद्धिक और नैतिक शिखर के रूप में स्थापित है, जिसने भारतीय समाज की जड़ता को चुनौती देते हुए उसे समता, न्याय और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों से आलोकित किया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवंत विचारधारा, एक जागृत चेतना और एक सतत सामाजिक क्रांति के पर्याय हैं। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे अंबेडकर ने उस सामाजिक यथार्थ को स्वयं जिया, जिसमें जन्म के आधार पर मनुष्य की गरिमा निर्धारित की जाती थी। बाल्यावस्था में झेली गई उपेक्षा, भेदभाव और अपमान ने उनके भीतर निराशा नहीं, परिवर्तन की एक प्रखर और संगठित चेतना को जन्म दिया। उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक संघर्ष में रूपांतरित किया। शिक्षा उनके लिए केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं थी बल्कि सामाजिक मुक्ति का सबसे सशक्त औजार थी।

सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे विश्वविख्यात संस्थानों में अध्ययन करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और विधि के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और अपने ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित किया। यह शिक्षा ही थी, जिसने उन्हें भारतीय समाज की संरचनात्मक विसंगतियों को समझने और उनके समाधान के लिए ठोस नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाया। अंबेडकर का जीवन केवल संघर्षों का इतिहास नहीं बल्कि समाधान की एक सुविचारित और व्यवस्थित प्रक्रिया है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल भावनात्मक आवेग से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए वैचारिक स्पष्टता, संगठित प्रयास और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता होती है। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसी सोच का परिणाम था, जिसमें उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जल स्त्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करने के अधिकार की मांग की। यह केवल पानी के अधिकार का प्रश्न नहीं था बल्कि सामाजिक समानता के मूल सिद्धांत की स्थापना का प्रयास था। इसी प्रकार 1930 का कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन धार्मिक स्थलों में समान अधिकार की मांग का प्रतीक था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अंबेडकर का संघर्ष केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक समानता के लिए भी था।

महात्मा गांधी के साथ 1932 में हुआ पूना समझौता अंबेडकर की राजनीतिक दूरदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक था। उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। यह समझौता इस बात का उदाहरण था कि वे केवल संघर्ष करने वाले नेता नहीं थे बल्कि समाधान खोजने वाले युगदृष्टा भी थे। भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उन्हें इतिहास में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे की रचना की, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी मिले। उनके लिए संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं था बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन था। उन्होंने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह भारतीय समाज की विविधता के बीच एकता को बनाए रखने का माध्यम बन सके।

डॉ. अंबेडकर ने यह स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हुआ तो राजनीतिक लोकतंत्र भी स्थायी नहीं रह पाएगा। उनका यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था, मौलिक अधिकारों की स्थापना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के माध्यम से एक समावेशी समाज की नींव रखी। अंबेडकर की क्रांतिकारी चेतना का एक महत्वपूर्ण आयाम उनका धार्मिक दृष्टिकोण भी था। उन्होंने धर्म को व्यक्ति की गरिमा और सामाजिक समानता के संदर्भ में देखा। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण किया, जो उनके जीवन का एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक निर्णय था। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था बल्कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त वैचारिक घोषणा थी। बौद्ध धर्म के माध्यम से उन्होंने करुणा, समता और मानवता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

डॉ. अम्बेडकर के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनका बौद्धिक और वैचारिक संघर्ष था। उन्होंने लेखन और भाषणों के माध्यम से समाज की जटिल समस्याओं का विश्लेषण किया और उनके समाधान प्रस्तुत किए। उनकी कुछ प्रसिद्ध कृतियां आज भी सामाजिक चिंतन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने तर्क, विज्ञान और विवेक को अपने विचारों का आधार बनाया और अंधविश्वास, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। 1951 में हिंदू कोड बिल के पारित न होने पर उनका मंत्रिमंडल से इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत थे। यह घटना उनके चरित्र की दृढ़ता और नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह उस समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत क्रांतिकारी था।

आज, जब भारत सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और सामाजिक विषमता जैसी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि उनकी आरंभ की गई सामाजिक क्रांति अभी अधूरी है। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक न्याय और समान अवसरों की सतत प्रक्रिया है। अंबेडकर का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जाना चाहिए। यह विचार आज भी लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 8 घंटे के कार्यदिवस जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया।

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है। वास्तव में अंबेडकर एक नाम नहीं बल्कि वह क्रांति हैं, जो तब तक जीवित रहेगी, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और समान अवसर प्राप्त नहीं कर लेता। उनकी विरासत हमें यह स्मरण कराती है कि एक सशक्त और समतामूलक भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम उनके विचारों को केवल स्मरण न करें बल्कि उन्हें अपने आचरण और नीतियों में भी उतारें।

संपादकीय

थमी सुरों की आशा

हृदयाघात के चलते करोड़ों संगीत प्रेमियों को भले ही आशा भोसले अलविदा कह गई हों लेकिन विविधता लिए सुरीले गीत सदियों तक संगीत प्रेमियों के दिल-दिमाग में गूंजते रहेंगे। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले नब्बे साल तक लगातार गाती रहीं। आशा के सुरीले गीतों ने देश-दुनिया के करोड़ों दिलों को छुआ। उनकी कर्णप्रिय धुनों वाले गीतों में जीवन का एक उल्लास रहा है। तभी नब्बेवें जन्मदिन पर लगातार तीन घंटे संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके वे नया रिकॉर्ड दर्ज कर गईं। जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए। व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही। व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था। एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरू किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया। यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है। निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेगी। अच्छे गीतकार, सधे संगीतकारों के गीत को अपने खास अंदाज से वे बेहतरीन व कालजयी बना देती थीं। इस तरह मोहम्मद रफी, मुकेश व किशोर कुमार के क्रम में आशाजी का जाना भारतीय गीतमाला के एक युग का अवसान भी है। लेकिन इस महान प्लेबैक सिंगर की आवाज सालों-साल तक भारतीय परिदृश्य में गूंजती रहेगी। आशा के गीतों की विशिष्टता यह भी है कि पीढ़ियों के बदलाव के बीच भी उनकी जवां आवाज हमेशा पसंद की जाती रही। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि हमने उनके चुलबुले गीतों व शोखी के अंदाज को तो देखा, लेकिन उनके जीवन के विकट संघर्ष को नजरअंदाज किया। उन्होंने अपने संगीत की विरासत वाले परिवार में लता मंगेशकर जैसे विराट वट वृक्ष तले अपना विकास किया। सफलता के पहले पायदान पर पहुंचने का उनका सपना प्रतिभा के बावजूद सफल न हो सका। लता के वर्चस्व के चलते कई प्रतिभाएं समय से पहले ही गुमनामी की दुनिया में चली गईं, लेकिन इसके बावजूद आशा ने अपनी एक अलग पहचान बनाये रखी। उसमें उनकी प्रतिभा के साथ जीवटता भी शामिल रही। उन्होंने पिता दीनानाथ मंगेशकर की संगीत विरासत को समृद्ध ही किया।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे। यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है। यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जीवन संघर्ष की अकथ कथा है आर एस आघात का यह लघुकथा संग्रह- बारिश की बूँदें । रचनाकार के जीवन और संघर्ष से उपजी रचनायें उसे आकर देती हैं । वे अनन्तकाल तक साहित्य की धरोहर बनती हैं हैं । जब भी लघुकथाओं की बात होगी-बारिश की बूड़ें साहित्य में अमृत का कम करेंगीं ।

इन लघुकथाओं में कोई मापदंड मत ढूँढना,इनमें शिल्प,भाषाशैली,विन्यास और आयाम मत तलाशना,अगर कुछ ढूँड़ने का मन करे तो वाह पीड़ा खोजना,वाह दर्द तलाशना,वाह संघर्ष खोजना जो एक गरीब,साहसी और मेहनतकश व्यक्ति अपने समग्र जीवन में सहन करता है , उठाता है ।ये लघुकथाएँ पढ़ते समय अगर आपके मन में वेदना और करुणा न उपजी तो मुझे लगेगा कि आपका मन विनम्रता और दया से रीता है,खाली है । उसमें संवेदना भर गई हैं ।

लघुकथा के महारथी तो इसमें मापदंड और लघुकथा विधान खोजेंगे । यही तो साज़िश है युगों -युगों की ,चाहे समाज हो चाहे साहित्य उन्होंने अर्थात वर्चस्ववादियों ने अपनी सुविधाओं के अनुरूप मापदंड तैयार कर लिए ताकि दबदबा बना रहे ।उन्होंने भावनाओं को महत्व नहीं दिया । अपनत्व और संवेदनाओं का मूल्य नहीं समझा , वे सभी एकेडमिक ही बने रहे ।अकेडमिक होना बुरी बात नहीं है लेकिन प्रेम ,मित्रता ,बंधुत्व के बिना लिखा गया साहित्य भावनाओं को उद्वेलित नहीं कर सकता ।

जब आघात जी ‌हहंसल और राबियाह्व को लिखते हैं तो इस बात को साफ करते हैं कि जीवन में दुश्मनी कभी भी प्रेम पर हावी नहीं हो सकती । हमने दुश्मनी विरासत में पाई है पर क्या इसे आगे देना जरूरी है ।

तब वे प्रश्न पैदा करते हैं कि दुश्मनी जीवन का शाखत नहीं है ।जीवन प्यार चाहता है ,ये प्रश्न पैदा करता है ,लघुकथा की जीवंतता है , साहित्य की मुखरता भी । जीवन मैं जल्द धनवान बन जाना किसी के लिए आसान तो हो सकता है लेकिन उसका स्वामित्व नहीं होगा । मेहनत और स्वाभिमान से किया गया अर्जन कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है । ‌हसपनों के जुर्म ‌ह्वे पूछते हैं , क्या रितेंद्र अपनी गलतियों से कुछ सीखेगा या उसकी ज़िंदगी अनगिनत कहानियों में शामिल हो जाएगा । जहाँ सपनों के शहर में आकर इंसान खुद ही अपने सपनों का कातिल बन जाता है ।

प्रश्न करना अर्थात रचना को जीवंत करना और अपने पाठकों को झकझोरना है ताकि वे पढ़ते पढ़ते सो न जाएँ । परिवार समाज की इकाई है और इकाई में माँ- पिता हमारे उद्धारकर्ता हैं ,हमारे मार्गदाता हैं , अगर किसी परिवार में उनका अपमान होता है ,तिरस्कार होता है तो जायज सी बात है वह घर नहीं भूतों का अड्डा है । शहरी जीवन में लोग माता-पिता को बोझ समझने लगते हैं ।आघात जी ‌हशहर में वरिष्ठ नागरिक ‌ह में इस बात को उजागर करते हैं । वे कहते हैं कि बाबा मुझसे गलती हुई है ,मैंने आपको बोझ समझ लिया । माफ कर दीजिए और ये

प्रायश्चित ही मनुष्य की श्रेष्ठता की निशानी है ,वरना जानवरों और इंसान में कोई फर्क ही न हो ।

आघात जी मूलरूप से कवि हैं उनकी ‌हबारिश की बूँदें ‌ह से दो चार होते हुए मुझे यह बात साबित करने में कोई हिचक नहीं है । ‌हविचित्रपुर का धर्म ‌ह, ‌ह सम्मान की रोटी ‌ह, शहर का चौराहा,शोषण के खेत में उगी हरियाली,औलादें, यादों में पिताजी,इंकलाब आदि । इन्हें आप गहराई से पढ़ेंगे तो पाएंगे यहाँ एक लघुकथाकार नहीं है ,यहाँ एक कवि है जो गद्य के माध्यम से अपने कवित्व और कवि कर्म को अप्रत्यक्ष रूप से कर रहा है । उसे भी नहीं पता कि वह लघुकथा लिखते लिखते कवि हो गया है । इन लघुकथाओं में चित्र हैं । कविता वाली भाषा है ,प्रतिबिंब है । इंकलाब की अंतिम पंक्तियां देखें

धूप जायदा है बेटा जरा संभलकर
सूखी रोटी और प्याज ही उसका सहारा थे,
रोटी खाते हुए उसने आसमान की ओर देखा,
कभी इसी आसमान के नीचे उसने भी सपने देखे थे ‌ङ्ग
और संघर्ष से पीछे हटना
राधे ने कभी सीखा नहींङ्ग.. या फिर औलादे लघुकथा से इन पंक्तियों को देखें
रामकरण आज भी ईंट ढोता है
आज भी पसीना बहाता है
पर अब उसकी पीठ थोड़ी सी सीधी हो गई है
डर के खिलाफ भेदभाव के खिलाफ
जो उसे वही देना चाहती है
जहाँ से उसने निकलने की हिम्मत की थी ।

ये ठसक लघुकथा की नहीं एक कवि की है । आश्चर्य कीजिए एक कवि कविता से लघुकथा लिखा रहा है इसे साहस कहें या दुस्साहस, में तो साहस कहूँगा ।

इस लघुकथा संग्रह में अधिकांश क-हानियाँ संघर्ष और युद्ध की हैं । युद्ध अर्थात जीवन जीने का युद्ध , प्रतिशोध के खिलाफ युद्ध, वर्चस्व के खिलाफ निर्बल का युद्ध । सम्मान की रोटी, शहर का चौराहा , शोषण के खेत में उगी हरियाली , इंकलाब,उम्मीद की पोटली, आधा इंसाफ,आदि स्वयं इसका ज्वलंत उ-दाहरण हैं ।

दरअसल जब तक बारिश की बूँदें की बात का की जाय तब तक बात अधूरी रह जाएगी । आघात जी के पास एक बेहतरीन भाषा है , दर्पण है , और उस भाषा का प्रस्तुतीकरण भी है । थोड़ी सी का ये चित्रा देखेंङ्ग ..उस रात गोपाल के घर चूल्हा जला, बच्चों ने भरपेट खाना खायाङ्ग.. बाहर बादलों की हल्की गड़गड़ाहट अब डर नहीं बल्कि आश्वासन लगा ही था ।

यही स्वयं की सार्थकता है जो लोग कहते हैं कि दलितों के लेखन की भाषा तो रोड की भाषा है । वे पढ़ें बारिश की बूँदें,तो लगे यहाँ ऐसे लेखक भी हैं जो आपके समस्त लेखन को चुनौती देने का जिगर रखते है ।

सार्थक रूप से कहा जाए तो बारिश की बूँदें की हर लघुकथा अपने आप में पूर्ण और सक्षम है । जीवन की सच्चाई और उस सच्चाई से लड़ने का साहस देती है । यहाँ झूठी सा-हित्यिक अय्याशी नहीं है ।यहाँ विचार हैं,रास्ते हैं और संघर्ष है । विश्वास रखूँगा आघात जी की लघुकथाएँ साहित्य में ही नहीं दलित साहित्य में भी माइल स्टोन साबित होंगी ।

मैं उनसे इसी तरह के लेखन की कामना करता हूँ और विश्वास रखता हूँ कि उनका अगला लघुकथा संग्रह शीघ्र आए ताकि समाज को चेतना ,जाग्रति,विश्वामैत्री और बंधुत्व का नया पाथ सीखने को मिले ।

सादर
आपका ही तो

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्त्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

गांव सुल्तानठेर के कम्पोजिट विद्यालय में धूमधाम के साथ मनाया गया वार्षिक उत्सव

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को क्षेत्र के ग्राम सुल्तानठेर में स्थित कम्पोजिट विद्यालय में वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। वार्षिक उत्सव पर बच्चों को परीक्षा फल वितरण का आयोजन भी किया गया। वार्षिक उत्सव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता और अतिथि के रूप में जितेंद्र सागर और वही विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुखभान तथा ग्राम प्रधान चंद्रपाल सिंह एवं समस्त विद्यालय का स्टाफ व ग्रामवासी मौजूद रहे। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता और कंपोजिट विद्यालय की इंचार्ज ज्योति चौधरी ने राष्ट्रीय आय छात्रवृत्ति में उत्तीर्ण छात्रों को साइकिल देकर पुरस्कृत किया तथा कक्षा में प्रथम और द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्र एवं छात्राओं को भी पुरस्कार दिया गया।

वही खंड शिक्षा अधिकारी आरती गुप्ता ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई को देखकर काफी प्रशंसा की और बच्चों को आगे बढ़ने पर विस्तार से चर्चा की।

वही विद्यालय इंचार्ज ज्योति चौधरी ने विद्यालय में आये सभी अतिथियो का धन्यवाद करते हुए प्रसाद व भोजन वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर पबनेश, अभय यादव, अमित राणा, अमिताभ राणा, किशन लाल आदि मौजूद रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय अंतर विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सीडीओ ने बैठक में शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का अक्षरतःपालन करने के संबंध में सभी विभागों को निर्देशित किया। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा और दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा। बैठक में सीडीओ ने एडीओ पंचायत को निर्देश दिए कि ऐसे ग्राम चिह्नित करें जहाँ गंदगी की समस्या सबसे अधिक है। चिन्हित ग्रामों में से 5-5 ग्रामों में संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर साफ-सफाई, जलभराव हटाने, झाड़ी कटाई सहित अन्य आवश्यक गतिविधियाँ कराते हुए इन्हें पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने के निर्देश दिए। साथ ही इन गाँवों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए। अभियान में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। स्कूलों में होने वाली प्रार्थना में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता कराने के निर्देश दिए। दस्तक अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशाओं को घर घर जाकर जागरूकता कार्य करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। सीडीओ ने संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निर्देश दिए कि संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु बेहतर अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने डेंगू और अन्य वेक्टर बोर्न बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा आमजन को साफ सफाई और बचाव के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अन्य चिकित्सा अधिकारियों और विभागआध्यक्षों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

आवास योजनाओं की शानदार सफलता,11 हजार से अधिक पक्के मकान बनकर तैयार, गरीबों का सपना हुआ साकार

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में गरीब और बेघर परिवारों को पक्की छत मुहैया कराने की दिशा में प्रशासन ने उत्कृष्ट कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी और ग्रामीण) तथा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हजारों लाभार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। जिले में अब तक 11 हजार से अधिक शहरी और सैकड़ों ग्रामीण आवास सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। लाभार्थियों को सीधे उनके खातों में योजना की धनराशि भेजकर उनके अपने घर का सपना साकार किया जा रहा है। प्रभारी पीओ डूडा व डिप्टी कलेक्टर मसीहा नजम के अनुसार, पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत जिले में 11,324 आवास स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 11,148 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। योजना के पहले चरण में सभी 11,324 लाभार्थियों को पहली किस्त मिल गई थी और 11,148 लाभार्थियों को योजना की पूरी धनराशि प्राप्त हो चुकी है। अब पीएम आवास योजना 2.0 को लेकर भी भारी उत्साह है और इसके लिए 25,000 नए आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इस योजना के तहत तीन लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले उन लोगों को लाभ दिया जाता है जिनके पास अपना पक्का मकान नहीं है। इसके तहत लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये की किस्तों में सहायता दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवास योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतरीन रहा है। परियोजना निदेशक डीआरडीए अंबरीश कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 182 आवास स्वीकृत किए गए थे। विभाग की सक्रियता के चलते शत-प्रतिशत यानी सभी 182 आवासों का निर्माण कार्य पूरी तरह से संपन्न हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थियों को अपना घर बनाने के लिए 1,20,000 रुपये की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की गई है।

\मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से जिले के विशेष रूप से जरूरतमंद लोगों को बड़ा संबल मिल रहा है। पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार के मुताबिक, इस वर्ष योजना के तहत 90 आवासों का लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष 89 आवास स्वीकृत हुए और इनमें से 82 आवास बनकर पूरी तरह तैयार हो गए हैं। इस योजना का लाभ मुख्य रूप से प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों, विधवा एवं एकल महिलाओं, दिव्यांग जनों और कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर दिया जाता है। इस योजना में भी लाभार्थियों को 1,20,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है जिससे वे अपने पक्के घर का सपना पूरा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करते समय मृतक की उम्र से संबंधित उक्त अभिलेख ही होंगे मान्य

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि "मृतक की उम्र से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र यथा परिवार / कुटुम्ब रजिस्टर की प्रति अथवा शैक्षिक अर्हता से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र, जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, को अपलोड किया जायेगा।"

उक्त से यह स्पष्ट है कि राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करते समय मृतक की उम्र से संबंधित उक्त अभिलेख ही मान्य होंगे, अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होंगे। उप निदेशक, समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि उक्त योजनान्तर्गत शासनादेश दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 में की गयी व्यवस्था के अनुरूप ही ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदकों को मृतक के उम्र के साक्ष्य स्वरूप परिवार/कुटुम्ब रजिस्टर की प्रमाणित प्रति अथवा शैक्षिक अर्हता से संबंधित प्रमाण-पत्र ही अपलोड कराये जाये। अतः उक्त के क्रम में आवेदकों को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय पारिवारिक लाम योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन के साथ आवश्यक अभिलेखों को अपलोड किया जाना तथा हार्डकॉपी के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा, जो आवेदक का आधार कार्ड।

2 आवेदक का आय प्रमाण-पत्र (ग्रामीण क्षेत्र हेतु रु0 46,080 वार्षिक / शहरी क्षेत्र हेतु रु० 56,460 वार्षिक, आवेदक की बैंक पासबुक ल, मृतक का मृत्यु प्रमाण-पत्र। ल, मृतक की आयु से सम्बन्धित परिवार / कुटुम्ब रजिस्टर की प्रमाणित प्रति अथवा शैक्षिक अर्हता से संबंधित प्रमाण-पत्र हो।

गैस किल्लत और अधिकारियों की अनदेखी से भड़के राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ता

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन द्वारा आयोजित एक गोष्ठी में कार्यकताओं ने स्थानीय प्रशासन और गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गहरा रोष व्यक्त किया। बैठक में दैनिक उपयोग और शादी-ब्याह के सीजन में रसोई गैस की भारी किल्लत का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। क्षेत्र के ग्राम बेगपुर मुंडा चौराहे पर संगठन के कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि हसनपुर गैस एजेंसी पर पिछले चार दिनों से गैस उपलब्ध नहीं है, जिससे आम जनता त्रस्त है। संगठन के मुरादाबाद मंडल संयोजक डॉ. रुमाल सिंह ने बताया कि जब उन्होंने समस्या के समाधान के लिए क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक को फोन किया, तो उन्होंने फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। इसके पश्चात जब जिला पूर्ति अधिकारी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कई बार घंटी बजने के बाद फोन तो उठाया, लेकिन पूरी बात सुने बिना ही कॉल काट दी। राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि गैस की समस्या अधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना रवैए के चलते बनी हुई है।इस गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार से कार्यकताओं में भारी नाराजगी है। गोष्ठी में गैस संकट के अलावा शिक्षा के व्यवसायीकरण पर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा मनमाने दामों पर बेची जा रही महंगी किताबों के कारण गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा दूर की कौड़ी साबित हो रही है। इस दौरान कार्यकताओं ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की।इस अवसर पर मंडल संयोजक डॉ. रुमाल सिंह, आशाराम पाल, महेंद्र सैनी, बुद्धप्रकाश, देवेंद्र सैनी, जगराम सिंह, कुलदीप सिंह और ओम प्रकाश सैनी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम सूर्य घर योजना में बैंक और विद्युत विभाग की लापरवाही को लेकर जिलाधिकारी ने व्यक्त की कड़ी नाराजगी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में प्रधानमंत्री पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और कैच द रैन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। प्रधानमंत्री पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत विभागों को दिये गये लक्ष्य के सापेक्ष कितनी प्रगति की समीक्षा और उन्होंने निर्देश दिए की 01 सप्ताह तक अभियान चला कर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया संपादित करें और उसके बाद 01 सप्ताह का अभियान और चलाकर उन्हें लगवाने का कार्य करें जो भी लक्ष्य है उसको पूर्ण करें। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना में बैंक और विद्युत विभाग की लापरवाही को गंभीरता से लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और उन्होने विद्युत विभाग को निर्देश दिये कि कहा कि जो जे0ई0 कार्य नहीं कर रहे हैं उनकी जिम्मेदारी फिक्स करें। उन्होंने निर्देश दिए आगामी बैठक में बैंकर्स अपना डाटा लेकर आए इसे गंभीरता से लें। इस योजना के तहत कोई भी नकारात्मकता न फैले। उन्होंने केनरा बैंक पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये कार्य की गम्भीरता को समझने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी बनाने में कार्य धीमी गति को लेकर नाराज की व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कैंप लगाकर अधिक से अधिक फैमिली आईडी बनवाये। उन्होंनें हर घर जल योजना की समीक्षा करते हुये अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिए की अधिक से अधिक कनेक्शन करने के लिए सूची संबंधित फर्म को दें और एक सप्ताह के अंतर्गत कार्य पूर्ण करें। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई स्थल चिह्नित कर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाये। उन्होनें निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष संबंधित पूर्ण कार्यो को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करें और लक्ष्य पूर्ण करें और जो कार्य चल रहे है उन्हें अवश्य पूर्ण कर लें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर उप जिलाधिकारी मसीहा नजम, मुख्य चिकित्साधिकारी, पीडीडीआरडीए, अर्थ एवं संख्या अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, जिला पूर्ति अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर जल योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी द्वारा पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की गई और पाया कि संबंधित फर्मों द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं की जा रही और नियमित जल आपूर्ति सहित अन्य कार्यों में काफी लापरवाही की जा रही जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तीनों फर्मों एसपीएमएल, एलसी इंफ्रा और ओमिल के खिलाफ शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जो कार्य शेष हैं उनमें तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। निर्देश दिए कि लीकेज एवं अन्य शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। सड़कों के रेस्टोरेशन के कार्यों को भी शीघ्रता से गुणवत्तापरक रूप से पूर्ण किया जाए।

बैठक में नगर पालिका परिषद सीमा के अन्तर्गत सम्मिलित ग्रामों में जो परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं उनके हस्तान्तरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही शीघ्र की जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड में महिला पम्प ऑपरेटर को रखने हेतु प्रोत्साहित किया जाये एवं प्रशिक्षण दिया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन गांवों में जल जीवन मिशन के तहत शत प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूरे हो चुके हैं, उन गांवों में लोगों को जल की महत्ता समझाते हुए और जागरूक करते हुए सबमर्सिबल मुक्त गांव अभियान चलाया जाए।

निधि गुप्ता वत्स ने अधिशासी अभियंता एवं डीपीएम टीपीआई को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। ग्रामों में गठित जल समिति की बैठक कराते हुए जल बचाने और सही उपयोग करने के प्रति जागरूकता कराई जाए। आंगनवाड़ी केंद्रों, सामुदायिक शौचालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, सरकारी कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थानों पर दिए गए पानी के कनेक्शन की जांच कराने के निर्देश डीपीआरओ को दिए। जिन योजनाओं में कार्य चल रहा है उनमें लक्ष्य निर्धारित कर कार्ययोजना बनाते हुए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। और जो परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं उनके हैंडओवर की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिशासी अभियन्ता जल निगम चंद्रहास, सहायक अभियंता शहरोज आरिफ सहित संबंधित अधिकारीगण तथा संबंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाकियू (संयुक्त मोर्चा) का जुबिलेंट के खिलाफ 114 वे दिन भी धरना प्रदर्शन जारी

जिला प्रशासन पर जुबिलेंट फैक्ट्री से हमसाज होने का लगा आरोप

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन 114 वे दिन भी एन एच 9 पर नाईपुरा शाहबाजपुर डोर मे जारी रहा। धरने पर पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि अभी तक किसानों की मांगे पूरी नहीं की गई। ना ही अमरोहा जिले का प्रशासन जहरीले पानी से किसानों की जान बचाने के लिए आगे आया है। नरेश चौधरी ने कहा कि जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश की सरकार से मांग है कि पानी को जहरीला बनाने वाला जुबिलेंट कारखाने पर कार्यवाही हो जो अधिकारी इसके साथ हमसाज हैं उन पर कार्यवाही हो जिन किसानों की गंभीर बीमारियों से मौत हुई है। उन किसानों को 10-10 लाख का मुआवजा दिया जाना चाहिए। जो किसान गंभीर बीमारियों की चपेट में आ चुके हैं उनकी जांच कराकर उनका मुफ्त इलाज कराया जाए। और किसानों के पीने के पानी की और सिंचाई के पानी का इंतजाम किया जाना चाहिए। यह सभी मांगे पूरी होने तक आंदोलनकारी किसान धरने पर बैठकर अपनी आवाज को बुलंद करते रहेंगे। और कहां की इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार किसानो की कोई सुनवाई करने को तैयार नहीं है। गजरौला क्षेत्र का किसान पलायन करने को मजबूर होगा तो इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन अमरोहा की होगी। शायद अमरोहा प्रशासन भी घटना का इंतजार कर रहा है

जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की बदनामी हो। ऐसा लगता है कि अभी तक अमरोहा प्रशासन ने उत्तर प्रदेश सरकार को इस घटना से अवगत नहीं कराया है।

नहीं अब तक कार्यवाही हो जानी चाहिए थी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, मंडल अध्यक्ष एहसान अली, होमपाल सिंह, रामशरण सिंह, रामफल सिंह, पृथ्वी सिंह, रामप्रसाद सिंह, असद अली,शान चौधरी, हाजी नन्नू सैफी आदि किसान लोग मौजूद रहे।

कार्यकताओं ने अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ली समाज जागरूकता की शपथ

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई चंदौसी द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर मौलागढ़ स्थित अंबेडकर छात्रावास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके पदचिन्हों पर चलने तथा समाज को जागरूक करने की शपथ ली।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभाग प्रमुख डॉ. डी.के. अग्निहोत्री ने कहा कि डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान के निमार्ता, महान समाज सुधारक एवं दलितों-वंचितों के मसीहा थे। 14 अप्रैल 1891 को जन्मे बाबासाहेब ने जातिवाद और छुआछूत के खिलाफ संघर्ष करते हुए शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री के रूप में महिलाओं एवं श्रमिकों के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए।

इसके उपरांत नगर मंत्री आशीष ने कहा कि डॉ. आंबेडकर केवल संविधान के जनक ही नहीं, बल्कि एक महान अर्थशास्त्री, कानूनविद और समाज सुधारक भी थे। उनका मानना था कि जब तक समाज में समानता और न्याय स्थापित नहीं होगा, तब तक राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने युवाओं को उनके विचार– शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो–को अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर वी.के. त्रिपाठी, सोनू मौर्य, अभय चौधरी, अखिलेश श्रीवास्तव, महेश दिवाकर, विशाल चौधरी, गौरव, अजय, अमर सिंह, सैजल, अंकुर, आकाश, मिस्त्री लाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सोमवार को 01 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलने वाले दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। साथ ही डिप्थीरिया आउट ब्रेक की रोकथाम को लेकर स्कूल आधारित टीकाकरण अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वप्रथम डिप्थीरिया की रोकथाम के लिए अभियान की रूपरेखा, महत्वपूर्ण तिथियों, लक्षित समूह, टीकाकरण श्रेणियों, जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन रणनीति, विभागीय समन्वय, प्रचार-प्रसार, डिजिटल रिपोर्टिंग, एईएफआई प्रबंधन एवं माइक्रो प्लान की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि माइक्रो प्लान स्कूल व छात्र-छात्राओं के आधार पर तैयार किया जाए तथा टीकाकरण एवं बच्चों के बैठने के लिए अलग-अलग कक्षों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आशा, आंगनबाड़ी व एएनएम की बैठकों में ग्राम स्तर के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

इसके उपरांत संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान की साप्ताहिक समीक्षा बैठक अनिवार्य रूप से की जाए तथा मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में दैनिक समीक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही जिन अधिकारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती गई है, उन्हें कठोर चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज बिश्नोई, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यालय में मोहसिना किदवई को श्रद्धांजलि, शोक सभा आयोजित

पूर्व केंद्रीय मंत्री के निधन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जताया गहरा दुख

सम्भल(सब का सपना):- सोमवार को जनपद के जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई के आकस्मिक निधन पर भावुक माहौल में शोक सभा आयोजित की गई। उनके निधन की खबर से पूरे कांग्रेस परिवार में गहरा शोक व्याप्त है।

शोक सभा के दौरान धर्म गुरुओं द्वारा दिवंगत आत्मा की मगफिरत के लिए दुआ की गई। उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ तुर्की ने अपने संबोधन में मोहसिना किदवई के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 1 जनवरी 1932 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में हुआ था। वे कांग्रेस पार्टी की एक सम्मानित एवं प्रभावशाली नेता थीं, जिन्होंने छह दशकों से अधिक समय तक संगठन की सेवा की। वे मेरठ लोकसभा क्षेत्र से तीन बार सांसद रहीं और वहां की पहली महिला सांसद बनने का गौरव प्राप्त किया। साथ ही वे दो बार राज्यसभा सदस्य भी रहीं।

उन्होंने बताया कि मोहसिना किदवई ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के साथ मिलकर केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को मजबूत किया और पूरे प्रदेश में कार्यकताओं को जोड़ने का कार्य किया। वे कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव भी रहीं।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि मोहसिना किदवई का जीवन देश सेवा, सादगी, ईमानदारी और पार्टी के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। उनका निधन कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके आदर्श हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

इस अवसर पर पवन कठेरिया, कौस्तुभ रस्तोगी, सफी सैफी, सलमान तुर्की, अंजार मंसूरी, निसार अहमद, नोमान हैदर, मुशर्रफ हुसैन, इकबाल हुसैन, अनीस अहमद, जब्बार हुसैन, साजिद हुसैन, तालिब, मिंजर हुसैन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

डीएम ने मिनी स्टेडियम का किया निरीक्षण खेल सुविधाओं में सुधार के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया द्वारा काली मंदिर के निकट स्थित बहजोई के मिनी स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेडियम की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्टेडियम में बने गड्ढों को तत्काल भरवाने के निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों को खेलने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने खेल मैदान को सुरक्षित एवं समतल बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने स्टेडियम परिसर में स्थित शूटिंग रेंज का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बच्चों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि कुछ बाहरी लोग स्टेडियम परिसर में शराब का सेवन करते हैं। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि खेल का माहौल सुरक्षित और अनुशासित बना रहे।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में बैठक, अंबेडकर जयंती को भव्य रूप से मनाने के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को भव्य रूप से मनाए जाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद भर में होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जहां-जहां आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, वहां साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने नालियों एवं गलियों की भी समुचित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि आयोजन स्थल स्वच्छ एवं व्यवस्थित रहें।

उन्होंने सभी कार्यालय अध्यक्षों को निर्देशित किया कि आज मंगलवार को प्रातः 10 बजे अपने-अपने कार्यालयों में बाबा साहब के जन्म दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करें। साथ ही कलक्ट्रेट सभागार में भी प्रातः 10 बजे कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अयोध्या मंदिर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा मनाया गया सीता अवतरण दिवस

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- सोमवार को हयातनगर स्थित अयोध्या मंदिर में विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों द्वारा सीता अवतरण दिवस श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक छोटी बच्ची को माता जानकी के स्वरूप में सजाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

कार्यक्रम के दौरान जिला संयोजिका दीपा बाष्णेय ने कहा कि सीता माता नारी शक्ति का सर्वोत्तम प्रतीक हैं। वे मिथिला नरेश राजा जनक की पुत्री, भगवान राम की पत्नी और माता लक्ष्मी का अवतार मानी जाती हैं। उन्होंने जीवनभर कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, त्याग और पतिव्रत धर्म का पालन कर समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत किया।

रीता आर्य ने सीता अवतरण की कथा बताते हुए कहा कि वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन, जब राजा जनक अकाल के समय भूमि को हल से जोत रहे थे, तभी हल के अग्र भाग ह्यसीतह्न से एक कलश टकराया, जिसमें से एक दिव्य कन्या प्रकट हुई। उसी कन्या को राजा जनक ने अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया, जिन्हें आज हम माता सीता के रूप में जानते हैं।

इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए माता सीता के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिला कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएसएम शुगर रजपुरा में उपेन्द्र तोमर ने संभाला यूनिट हेड का कार्यभार

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- डीएसएम शुगर मिल रजपुरा में नव नियुक्त यूनिट हेड उपेन्द्र तोमर ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मिल परिसर में गरिमामय एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे यूनिट परिवार में उत्साह एवं नई ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान कंपनी के एमडी गौरव गोयल, कुंवर ईशान गोयल एवं सीओ अक्षत कपूर ने नए यूनिट हेड का तिलक लगाकर व माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही पूर्व यूनिट हेड, जिन्हें धामपुर शुगर मिल में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्हें भी शुभकामनाएं दी गईं।

समारोह में वरिष्ठ प्रबंधन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसमें आरती (दिल्ली हेड ऑफिस), इकबाल सिंह, राजन कुमार दीक्षित, संजीव कुमार (फाइनेंस), संतोष चौहान, संजीव कुमार (आईटी), अमित अग्रवाल, अवतार सिंह, सुधीर त्यागी, अंचल बिंदल, आकाश ठाकुर, लवीश कुमार, पंकज गुप्ता, वसीम अहमद, आशीष बाजपेई, गोपाल शुक्ला, रिपुंजय उपाध्याय, सौरभ सिंह, योगेश गुप्ता, प्रदीप त्यागी, देवेंद्र मलिक, डॉ. विजेंद्र मुखेरिया, निर्भय सिंह, अरुण राघव, ऋतुराज सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ प्रबंधन ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि उपेन्द्र तोमर के अनुभवी नेतृत्व में इकाई उत्पादन, गुणवत्ता, सुरक्षा, प्रशासनिक दक्षता एवं किसान सेवा के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगी। वहीं नए यूनिट हेड ने अपने संबोधन में टीम भावना के साथ कार्य करने और प्रबंधन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि पांच टी का विशेष महत्व है–ट्रांसपेरेंसी, ट्रुथ और ट्रस्ट से टीम बनती है, और जब ये सभी एक साथ हों तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उन्होंने क्षेत्र के गन्ना किसानों का विशेष ध्यान रखने की भी बात कही। कार्यभार ग्रहण से पूर्व उपेन्द्र तोमर ने पूर्व यूनिट हेड आशीष शर्मा एवं कारखाना प्रबंधक राजन कुमार दीक्षित के साथ हरि बाबा आश्रम जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

समारोह के अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नए यूनिट हेड का हर्षोल्लास के साथ स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

यह आयोजन संगठन की सकारात्मक कार्यसंस्कृति, सामूहिक नेतृत्व और आपसी सम्मान का प्रतीक बनकर उभरा।

नगर पालिका परिषद सम्भल के नामित सभासद बनने पर सैय्यद शान अली का स्वागत

सिरसी चेयरमैन कौसर अब्बास ने फूल–मालाओं व बुके देकर किया सम्मानित, पार्टी के प्रति समर्पण की सराहना

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद सम्भल के नामित सभासद बनाए गए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सैय्यद शान अली का सोमवार को नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन कौसर अब्बास द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें फूल-मालाओं एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान कौसर अब्बास ने सैय्यद शान अली के लंबे राजनीतिक जीवन और पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा अपने समर्पित और ईमानदार कार्यकताओं को उचित सम्मान देती है। उन्होंने कहा कि पार्टी सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए हर कार्यकर्ता के योगदान को महत्व देती है और किसी को भी निराश नहीं होने देती।

उन्होंने आगे कहा कि सैय्यद शान अली ने लगभग 33 वर्षों तक पार्टी की सेवा की है और उनकी ईमानदारी, निष्ठा व कार्यशैली आज भी अन्य कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके समर्पण और मेहनत का ही परिणाम है कि आज उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। इस अवसर पर सैय्यद शान अली ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि वे समाज के सभी वर्गों के हित में कार्य करते रहेंगे और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने सैय्यद शान अली को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

व्यापारियों ने लगाया देशी घी का भंडारा, श्रद्धालुओं को कराया प्रसाद वितरण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- चंदौसी के व्यापारियों द्वारा पावन तीर्थ नगरी गोवर्धन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ देशी घी का भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर गोवर्धन परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं एवं भक्तों को प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया।

भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सेवा, सहयोग और आध्यात्मिक भावना को बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर भक्ति का वातावरण देखने को मिला। व्यापारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं देश की उन्नति की कामना की।

इस आयोजन में चंदौसी के कई व्यापारी उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवाभाव से भंडारे को सफल बनाया। प्रमुख रूप से कमल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अजय जैन, अनुज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, महेंद्र वर्मा, अजय अग्रवाल, डॉ. जगदीश श्रीवास्तव, राहुल पाठक, जगन्नाथ खुराना, गुरुवत सिंह, डॉ. पीयूष राघव, डॉ. अनिल चौहान, अभिषेक अग्रवाल, नवीन रस्तोगी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिजनौर पुलिस ने किया अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, मेरठ के सर्राफ सहित 03 गिरफ्तार

02 लाख से अधिक की नगदी, भारी मात्रा में सोना-चांदी और घटना में प्रयुक्त कार व बाइक बरामद

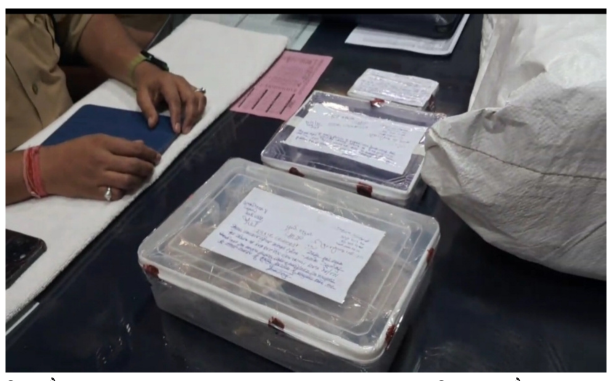

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में चोरी की बड़ी वारदातों पर अंकुश लगाते हुए थाना कोतवाली शहर पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक अंतर्राज्यीय शातिर चोर गिरोह का पदार्फाश किया गया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जो बंद पड़े फ्लैटों और मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से चोरी के जेवरात, नगदी और अपराध में प्रयुक्त वाहन बरामद किए गए हैं।

यशौदा कुंज कॉलोनी में हुई चोरी का सफल अनावरण का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि बीती 13 मार्च 2026 को यशोदा कुंज कॉलोनी निवासी अमित अग्रवाल के घर से अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण और 05 लाख रुपये की नगदी चोरी कर ली थी। इस संबंध में थाना कोतवाली शहर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। स्वाट और सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और रविवार, 12 अप्रैल को टीम ने घेराबंदी कर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में वसीम अकरम उर्फ चपटा (पुत्र नसीम, निवासी मेरठ) - गिरोह का मुख्य सदस्य, जिस पर मेरठ, नोएडा और अलीगढ़ सहित विभिन्न जनपदों में करीब 21 मुकदमे दर्ज हैं। विनय उर्फ रिंकू उर्फ चाचा (पुत्र गंगाशरण, निवासी मेरठ) - चोरी की घटनाओं में सक्रिय भागीदारी तथा अरुण वर्मा (पुत्र ब्रजकिशोर वर्मा, निवासी मेरठ) - पेशे से सुनार, जो चोरी के आभूषणों को गलाने और उन्हें ठिकाने लगाने का काम करता था।

बरामदगी में कुल कीमत लगभग 08 लाख रुपये नकदी व आभूषण आदि रहे। जिसमें 02 लाख 48 हजार रुपये नकदी। एक सोने की चैन, टॉप्स, कुंडल, पाजेब और करीब 01 किलो चांदी की सिल्ली जेवरात रहे। घटना में प्रयुक्त कार और एक बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक बरामद की, साथ ही उपकरणों में ताला तोड़ने और चोरी में इस्तेमाल होने वाले पेचकस, पाइप रिंच, तार कटर और अन्य औजार रहे।

धामपुर हत्याकांड एक महीने बाद पुलिस ने किया खुलासा, कार्रवाई में देरी पर उठे सवाल

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है, जिसने न सिर्फ इलाके में दहशत फैला दी है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब एक महीने से अधिक समय बाद पुलिस ने इसरार अहमद हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, इसरार अहमद 8 मार्च 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। परिजनों ने तत्काल थाना धामपुर में गुमशुदगी दर्ज कराई, लेकिन उनका आरोप है कि शुरूआती दौर में पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। परिवार के लोग लगातार धामपुर और नूरपुर थानों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन कार्रवाई की गति धीमी बनी रही।

पैसों के लालच में रची गई हत्या की साजिश

पुलिस जांच में सामने आया कि आशु उर्फ आकिब, शाहनवाज उर्फ शानू और जाबिर ने पैसों के लालच में इसरार अहमद की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए शव पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल से मृतक का कंकाल, हत्या में प्रयुक्त रस्सी, जरी कैन, चप्पल, ब्रेसलेट और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

मामले के खुलासे के बाद अब सबसे बड़ा सवाल पुलिस की शुरूआती कार्रवाई को लेकर उठ रहा है। परिजनों का कहना है कि यदि गुमशुदगी के तुरंत बाद तेजी से जांच होती, तो शायद इसरार अहमद को बचाया जा सकता था। इलाके में भी यही चर्चा है कि क्या समय रहते सख्त कदम उठाए जाते तो परिणाम कुछ और होता?

परिवार की पीड़ा और इंसाफ की मांग

एक ओर जहां पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है, वहीं दूसरी ओर मृतक परिवार का दर्द और आक्रोश साफ झलक रहा है। परिवार न सिर्फ आरोपियों को कड़ी सजा की मांग कर रहा है। बल्कि पुलिस की लापरवाही की भी जांच चाहता है। फिलहाल पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई में जुटी है। लेकिन यह हत्याकांड कई अनुत्तरित सवाल छोड़ गया है, क्या समय रहते कार्रवाई होती तो एक जान बचाई जा सकती थी?

भाकियू (अराजनीतिक) के कार्यकताओं का हल्लाबोल

धूल और अवैध खनन के खिलाफ चक्का जाम

बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्रामीणों और भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के कार्यकताओं ने एक बार फिर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मुख्य मार्ग पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया और रास्ता पूरी तरह जाम कर दिया। किसानों का आरोप है कि ईंट-भट्टों के लिए होने वाले मिट्टी के खनन के कारण सड़कों का बुरा हाल है, जिससे उड़ने वाली धूल ने आम जनजीवन नर्क बना दिया है।धूल और बदहाल रास्ते पर धरना दे रहे ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है कि इससे पहले भी कई बार शिकायतें की गईं और प्रदर्शन हुए हैं लेकिन क्षेत्र में संचालित ईंट-भट्टों के लिए मिट्टी लाने वाले ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ने रास्तों को पूरी तरह जर्जर कर दिया है। परिवहन के दौरान रास्तों पर मिट्टी गिरती है, जो सूखने के बाद धूल बनकर हवा में तैरती है। इससे राहगीरों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है और आँखों की बीमारियाँ बढ़ रही हैं। सड़कों पर जमी मिट्टी की परत के कारण दोपहिया वाहन फिसल रहे हैं, जिससे आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएँ हो रही हैं। जिसका हम कई बार ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अधिकारियों ने सिर्फ आश्वासन दिया। जब तक ईंट-भट्टों के इन ट्रकों पर लगाम नहीं लगती और सड़कों की सफाई नहीं होती, हम यहाँ से नहीं हटेंगे।

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप लेगा। जाम की वजह से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस दौरान मांग की गई कि भट्टों पर जाने वाले रास्तों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाए ताकि धूल न उड़े। मिट्टी के अवैध और ओवरलोड खनन पर तत्काल रोक लगे। जर्जर हो चुकी सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू हो।

जनपद भर में अलग अलग जगहों पर यातायात पुलिस ने चलाया विशेष चैकिंग अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर चैकिंग की गयी। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ा प्रहार करते हुए यातायात पुलिस द्वारा पटाखों जैसी तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, मानक के विरुद्ध नंबर प्लेट (दोषपूर्ण/फॉल्ट नंबर प्लेट), तीन सवारी , बिना हेल्मेट तथा वाहनों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कुल 415 चालान किए गए । शहर के चौराहो तथा तिराहो से अतिक्रमण हटवाया गया। मोडिफाइ साइलेन्सर, हूटर से सम्बन्धित अभियान के अन्तर्गत उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। यातायात पुलिस द्वारा स्पीड लेजर गन से ओवर स्पीड मे चलते 102 वाहनो के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में 01अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलाये जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत बिना फिटनेस, बिना परिमिट स्कूली वाहनो को चैक किया गया। यातायात पुलिस द्वारा टीपी नगर तिराहे से बटवाल तिराहा ,नल तिराहा, अतरासी तिराहा तक सडक के किनारे नो- पार्किंग में खडे वाहनो के विरूद्ध चालान की कार्यवाही कर यातायात को सुचारू रूप से संचालित कराया। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अवैध परमिट चल रहे वाहनो की चैकिंग की गयी जिसमें 01 वाहन सीज कर थाना नौगांवा में दाखिल किया गया।

5 महीने से वेतन न मिलने जल जीवन मिशन कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारीयो का गुस्सा आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा। पांच माह से वेतन न मिलने से आक्रोशित कर्मचारियों ने राहतपुर खुर्द स्थित VTL कंपनी कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए धरना शुरू कर दिया।

प्रदर्शन में नजीबाबाद, किरतपुर, धामपुर, कोतवाली, चांदपुर और नहटौर ब्लॉकों से बड़ी संख्या में कर्मचारी पहुंचे और एकजुट होकर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों का आरोप है कि लंबे समय से काम कराने के बावजूद उन्हें वेतन नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि पांच महीने से वेतन न मिलने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कई कर्मचारी कर्ज लेने को मजबूर हैं, जबकि कुछ के बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार मांग करने के बावजूद कंपनी प्रबंधन कोई ठोस जवाब नहीं दे रहा।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने स्पष्ट मांग रखी कि उन्हें विधिवत नियुक्ति पत्र दिए जाएं और हर माह की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उनका कहना है कि बिना नियुक्ति पत्र के कार्य कराना श्रम कानूनों का उल्लंघन है। कर्मचारियों ने VTL कंपनी पर लापरवाही और शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे लगातार काम लिया जा रहा है, लेकिन उनकी मेहनत का उचित भुगतान नहीं किया जा रहा।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से भी हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

धरना-प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में हलचल बनी रही। अब निगाहें प्रशासन और कंपनी प्रबंधन पर टिकी हैं कि वे इस मामले का समाधान कब तक निकालते हैं।

धामपुर में दिनदहाड़े अवैध खनन का खेल, डंपरों से मिट्टी भराव कर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियां

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में अवैध खनन का खेल एक बार फिर खुलेआम फल-फूल रहा है। ताजा मामला धामपुर के मुन्नी देवी मंदिर से वन विभाग जाने वाले मार्ग का है, जहां दिनदहाड़े बड़े-बड़े डंपरों के जरिए मिट्टी का अवैध खनन और भराव किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस मिट्टी का उपयोग अवैध कॉलोनियों को विकसित करने में किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह से लेकर देर शाम तक डंपरों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। भारी भरकम वाहनों के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह रास्ता खतरे का कारण बन गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि खनन माफिया बिना किसी रोक-टोक के प्रशासन की आंखों के सामने इस अवैध गतिविधि को अंजाम दे रहे हैं। कई बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जमीन समतलीकरण कर अवैध कॉलोनियां बसाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए नियमों को दरकिनार कर कृषि भूमि पर मिट्टी डाली जा रही है, जो न सिर्फ कानून का उल्लंघन है बल्कि पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है या फिर यह अवैध खनन यूं ही जारी रहेगा।

श्री साई इंटर कॉलेज के छात्रों, अध्यापकों के द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई रैली

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- श्री साई इंटर कॉलेज, रूपपुर में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती प्रियंका एवं प्रबंधक श्री शोभित त्यागी ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने उनके जीवन संघर्ष, संविधान निर्माण में योगदान तथा शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जयंती के उपलक्ष्य में विद्यालय द्वारा भव्य रैली निकाली गई, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ह्वबाबा साहेब अमर रहेंह्व, ह्वशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोह्व जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

रैली विद्यालय से प्रारंभ होकर ग्राम शाहपुर होते हुए रूपपुर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल तक पहुंची। प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के समापन पर सभी ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया, जिससे छात्रों में संवैधानिक मूल्यों और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर ग्राम धनौरा में चौपाल, जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम/बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धनौरा में चौपाल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान चौपाल के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार की प्रमुख उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

इस अवसर पर स्थानीय गणमान्यजन, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

रामघाट थाने से 900 मीटर दूरी पर चोरों का हल्ला वोल, बिजली के 16 पोलों से तार चोरी

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- रामघाट थाने से मात्र 900 मीटर की दूरी से शनिवार की बीती रात चोरों ने 16 विद्युत पोलों से तार चोरी कर लिया। आपको बता दे कि नरौरा में रामघाट तिराहा से रामघाट को जाने वाली दो विद्युत लाइन है। जिसमें एक लाइन जो किसानों के लिए दिन में चलती है उसी लाइन से अज्ञात चोरों ने शनिवार की बीती रात 16 विद्युत पोलों से 2700 मी विद्युत तार चोरी कर ले गए। जिसकी जानकारी सुबह किसानों के नलकूप की लाइन लगाते समय हुई। विद्युत तारों की चोरी की जानकारी रामघाट थाना पुलिस को दे दी गई है। विद्युत अभियंता योगेश कुमार द्वारा चोरी का प्रार्थना पत्र बुलंदशहर कॉरपोरेशन थाने को भेज दिया गया है। रामघाट थाने से मात्र 900 मीटर की दूरी से अज्ञात चोरों द्वारा तार चोरी कर ले जाना रामघाट थाना पुलिस को खुली चुनौती चोरों द्वारा दे दी गई है। बीते 4 अप्रैल को थाना क्षेत्र के ग्राम पेसरी के पास से तीन लुटेरों द्वारा मोटरसाइकिल लूट की घटना को अंजाम दिया गया था जिसमें अभी तक रामघाट थाना पुलिस के खाली हाथ है। वही रामघाट थाना प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि हमारी टीम विद्युत चोरों की तलाश में जुट गई है।

सिकंदराबाद में गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, उपभोक्ता परेशान

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के कोदू बचवाली स्थित नव्या भारत गैस एजेंसी पर इन दिनों गैस सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही हैं। लोगों का कहना है कि वे रात 2 बजे से लाइन में लग रहे हैं, लेकिन कई दिनों तक इंतजार के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।

आरोप है कि एजेंसी पर प्रतिदिन लगभग 50 सिलेंडर ही वितरित किए जाते हैं और गैस खत्म होने का हवाला देकर बाकी उपभोक्ताओं को लौटा दिया जाता है। वहीं, कुछ लोगों ने सिलेंडरों की ब्लैक में बिक्री का भी आरोप लगाया है।

किसानों का कहना है कि गेहूं कटाई का समय होने के कारण उन्हें खेत और गैस लाइन के बीच जूझना पड़ रहा है। महिला, बुजुर्ग और बच्चे भी घंटों भूखे-प्यासे लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की कि उनकी बुकिंग नहीं हो रही या सिलेंडर डिलीवर दिखा दिया जाता है, जबकि उन्हें गैस मिली ही नहीं।

इस दौरान एजेंसी पर उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच नोकझोंक भी देखने को मिली। एजेंसी प्रबंधन का कहना है कि सप्लाई में दिक्कत आ रही है और समस्या के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों से बात की जा रही है।

एन. आर. ग्लोबल स्कूल में बैसाखी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का भव्य आयोजन.

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- एन. आर. ग्लोबल स्कूल में बैसाखी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा 6 एवं 7 के विद्यार्थियों ने जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसके माध्यम से उन्होंने इस ऐतिहासिक घटना के बारे में जागरूकता फैलाई। उनकी प्रस्तुति ने सभी को भावुक और प्रेरित किया। वहीं नर्सरी, एल.के.जी. एवं यू.के.जी. के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बैसाखी पर आधारित सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। इसके साथ ही विद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती भी मनाई गई।

विद्यार्थियों ने भाषण एवं नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके विचारों एवं समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक डॉ. विनय कुमार, डॉ. आरती चपराना तथा चेयरमैन मंगल सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

बुलन्दशहर (सब का सपना):- पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई के निधन पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी, बुलंदशहर के कार्यालय पर शोक सभा आयोजित की गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने कहा कि किदवई का जीवन जनता की सेवा और संगठन को मजबूत करने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री रहते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई।

अन्य नेताओं ने उन्हें महिला सशक्तिकरण की सशक्त प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किया। वक्ताओं ने उनके निधन को कांग्रेस के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

शोक सभा में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं भगवान भरोसे, झोलाछापों पर स्वास्थ्य विभाग मेहरबान

बुलंदशहर (सब का सपना) आनंद शर्मा:- जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही देखने के लिए अब आम बात हो गई है इतना ही नहीं यदि किसी झोलाछाप के द्वारा कोई अप्रिय घटना घटित हो जाती है तो उसकी दुकान पर सील लगाने का कार्य भी किया जाता है। वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़ सी आ गई है लेकिन स्वास्थ्य विभाग समय रहते ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों पर आखिर कार्यवाही क्यों नहीं करता या फिर यूं कहें की सब कुछ मिलजुल कर चल रहा है?

ना कोई वैध डिग्री ना कोई रजिस्ट्रेशन फिर भी कहलाए जाते हैं डॉक्टर साहब

आजकल ग्रामीण क्षेत्रों में हर एक गांव मोहल्ले में डॉक्टर देखने के लिए मिल जाएगा। जिसके पास आपकी हर एक बीमारी का समाधान होगा। लेकिन वहीं दूसरी तरफ ऐसे डॉक्टरों के पास ना ही तो कोई वैध डिग्री होती है और ना ही कोई खास अनुभव, इसीलिए ऐसे डॉक्टरों को झोलाछाप डॉक्टर भी कहा जाता है। यह झोलाछाप डॉक्टर एक कुर्सी, एक मेज और कुछ दवाइयां लेकर बैठ जाते हैं और कहलाए जाते हैं डॉक्टर साहब लेकिन मजाल है किसी अधिकारी की इन पर कार्यवाही कर दे। हां अगर यदि कोई अप्रिय घटना घटित हो जाती है। तब कुंभकरनी नींद से स्वास्थ्य विभाग जाग जाता है और आनन फानन में कार्यवाही करके इतिश्री कर ली जाती है। वहीं दूसरी तरफ उसके उसके बाद फिर स्वास्थ्य विभाग कुंभकरण की नींद सो जाता है। आखिर सवाल उठता है कि ग्रामीण क्षेत्र की भोली भाली जनता ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल से कब बचेगी या फिर यूं कहें कि स्वास्थ्य विभाग अपनी कुंभकरण नींद से कब जागेगा?

शिक्षा का अभाव या सुविधाओं की कमी

एक सच यह भी है कि ग्रामीण इलाकों में अभी भी शिक्षा का अभाव है जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्र के लोग बीमार होने पर ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों पर इलाज करने के लिए पहुंच जाते हैं या गरीबी होने के कारण उन्हें ऐसे झोलाछाप डॉक्टर के पास जाना पड़ता है और अपना इलाज करना पड़ता है लेकिन सवाल उठता है कि ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल से ग्रामीण क्षेत्र की भोली भाली जनता को आखिर बचाएगा कौन?

सरकार द्वारा स्वास्थ्य संबंधी अनेको योजनाएं संचालित

सरकार के द्वारा स्वास्थ्य विभाग को समय-समय पर निर्देश भी दिए जाते हैं और सीएचसी पीएचसी का ग्रामीण क्षेत्रों में काफी हद तक संचालन भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग योजनाएं भी सरकार के द्वारा चलाई जाती हैं लेकिन दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्रों में उन योजनाओं का असर देखने के लिए नहीं मिल रहा। और यदि ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाएं नहीं पहुंच पा रही तो इसका मुख्य कारण केवल यही हो सकता है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा केवल सरकार की योजनाओं को कागजों में ही दशार्या जाता हो या फिर प्रचार प्रसार के अभाव में वह योजनाएं कागजों में ही सीमित रह जाती हो?

स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत या फिर कुछ और

अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा ऐसे झोला छाप डॉक्टरों पर कार्यवाही का ना होना अपने आप में दशार्ता है कि विभाग के ही कुछ भ्रष्ट अधिकारीयो के द्वारा कहीं उन्हें संरक्षण तो नहीं दिया जा रहा या फिर यूं कहें की स्वास्थ्य विभाग की भी कोई मजबूरी है जिसकी वजह से वह ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं कर रहे? सवाल अनेको हैं लेकिन इन सवालों का जवाब स्वास्थ्य विभाग को देना होगा या फिर यूं कहें कि सब कुछ यूं ही चलता रहेगा?

दी रॉयल टाइगर्स क्लब बुलन्दशहर का शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम से सम्पन्न

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शहर के प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन दी रॉयल टाइगर्स क्लब का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने समाज सेवा और संगठन की मजबूती का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के महासचिव अमित चौहान, व सह सचिव हर्षित अग्रवाल, उपस्थित रहे कार्यक्रम में पहुँचने पर क्लब के सदस्यों ने उनका फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया अपने सम्बोधन में अमित चौहान, ने कहा कि सामाजिक संगठनों की सक्रियता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव सम्भव है उन्होंने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की और नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं हर्षित माहेश्वरी के कुशल संयोजन में कार्यक्रम पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन और संयोजन हर्षित माहेश्वरी द्वारा किया गया उन्होंने क्लब की आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि रॉयल टाइगर्स क्लब बुलन्दशहर में सामाजिक सरोकारों और जनकल्याणकारी कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेता रहेगा समारोह की झलकियाँ नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली कार्यक्रम में शहर के गणमान्य व्यक्तियों और क्लब के उत्साही सदस्यों की मौजूदगी रही। हर्षित माहेश्वरी, ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया ।

गोहाना में रिश्तों का खून ; नर्सिंग छात्रा के हत्याकांड में पूरा परिवार सलाखों के पीछे, इलाके में दहशत

गोहाना : गोहाना शहर के देवीनगर इलाके में कल एक दिल दहला देने वाली वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था। यहां एक 23 वर्षीय नर्सिंग छात्रा की उसके ही परिवार ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिता, मां और भाई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं इस वारदात ने पारिवारिक रिश्तों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी पिता ने तेजधार हथियार से अपनी ही बेटी का गला रेत दिया। घर के अंदर हुई इस वारदात ने पूरे मोहल्ले को सन्न कर दिया। खून से लथपथ हालत में युवती को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतका चीनू 23 वर्ष की थी और नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। वह अपने करियर को लेकर गंभीर थी और परिवार के साथ ही रहती थी। उसकी इस तरह से हत्या किए जाने से उसके जानने वालों में गहरा सदमा है।

पुलिस जांच में सामने आया कि इस हत्या में पिता के साथ-साथ मां और भाई की भी भूमिका संदिग्ध है। इसी आधार पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरू कर दी है।

गिरफ्तार किए गए पिता, मां और भाई को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से तीनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब रिमांड के दौरान हत्या के पीछे के कारणों और पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच कर रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर विधायक अनिल शर्मा से मिला प्रतिनिधिमंडल

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिकारपुर विधायक अनिल शर्मा से मुलाकात कर लिंक गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ी समस्याओं को उठाया।

किसानों ने मांग की है कि जेवर एयरपोर्ट व फिल्म सिटी से जुड़ रहे लिंक गंगा एक्सप्रेसवे पर शिकारपुर क्षेत्र के गांव याकूबपुर, बैलोठ, घुमरावली, बनवारीपुर, धतूरी आदि के लिए उतरने-चढ़ने के रास्ते बनाए जाएं। साथ ही एक्सप्रेसवे के किनारे सर्विस रोड निर्माण और अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा तथा सर्किल रेट बढ़ाने की मांग भी रखी गई।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इस मार्ग से बैलोन माता मंदिर, नरोरा परमाणु केंद्र और गंगा घाट तक लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है, इसलिए सुगम मार्ग आवश्यक है।

विधायक अनिल शर्मा ने किसानों को आश्वासन दिया कि 21 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री व वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष इन मांगों को रखा जाएगा और किसानों को लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी बुलंदशहर ने भी जल्द किसानों से वार्ता कर समाधान का भरोसा दिया है।

चौधरी कुलदीप गुड्डू ने कहा कि किसानों के हितों के लिए प्रशासन से निरंतर प्रयास जारी रहेंगे और जल्द सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

ससुराल पक्ष से परेशान होकर विवाहिता ने की आत्महत्या, परिवार पर केस दर्ज

तलवाड़ा : तलवाड़ा पुलिस ने एक महिला द्वारा सल्फास की गोलियां खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने के मामले में उसके पति, सास और ससुर के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी देते हुए एस.एच.ओ. तलवाड़ा सतपाल सिंह ने बताया कि मृतका के पिता सुरिंदर सिंह, निवासी मातनहोल झज्जर, हरियाणा ने पुलिस को बयान दर्ज कराए हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था परिवार

शिकायतकर्ता के अनुसार,उनकी लड़की नीलम (30) की शादी 14 फरवरी 2014 को दविंदर सिंह निवासी रेवाड़ी हाल निवासी तलवाड़ा के साथ हुई थी। घर में कोई बच्चा न होने के कारण, शादी के करीब एक साल बाद से ही ससुराल वाले नीलम को संतान न होने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। पति दविंदर सिंह अपने माता-पिता के कहने पर अक्सर नीलम की मारपीट करता था और उसे अपने मायके वालों से फोन पर बात करने से भी रोका जाता था। पिता सुरिंदर सिंह ने बताया कि 11 अप्रैल को दोपहर करीब 1:15 बजे नीलम ने उन्हें फोन करके बताया कि वह ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर सल्फास की गोलियां खा रही है। जब परिवार हरियाणा से तलवाड़ा के लिए रवाना हुआ, तो रास्ते में ही उन्हें नीलम की मौत की खबर मिली।

मृतका के पिता के बयानों के आधार पर केस दर्ज

आरोप है कि जब मृतका के भाई दीपक ने अपने जीजा से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसने आगे से बदसलूकी की और कोई जानकारी नहीं दी। तलवाड़ा पुलिस ने मृतका के पिता के बयानों के आधार पर पति दविंदर सिंह, ससुर कृष्ण कुमार और सास वीना के खिलाफ तंग-परेशान करने और आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है और मामले की अगली जांच जारी है।

युवा खिलाड़ियों पर सरकार का फोकस, टैलेंट हंट से ओलंपिक तक का रोडमैप तैयार- गौरव गौतम

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए अच्छी योजनाएं निर्धारित करने का लक्ष्य निर्धारित होगा जिसको लेकर लगातार खेल विभाग के अधिकारियों को मंत्री गौरव गौतम की तरफ से दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। देश और प्रदेश में खेलों के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए सरकार और खेल संस्थाएं अब युवा खिलाड़ियों पर विशेष ध्यान दे रही हैं। नई योजनाओं के तहत स्कूल और जिला स्तर से ही प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जा रही है। भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहलें शुरू की गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य युवाओं को शुरूआती स्तर से ही सही प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराना है। टैलेंट सर्च प्रोग्राम के जरिए गांव और छोटे शहरों से उभरते खिलाड़ियों को चिन्हित किया जा रहा है। खेल मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं में खिलाड़ियों को बेहतर कोचिंग, आधुनिक सुविधाएं और आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही स्कूलों और कॉलेजों में खेल को अनिवार्य बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक युवा इसमें भाग ले सकें।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सही दिशा में निवेश और मार्गदर्शन जारी रहा, तो आने वाले वर्षों में भारत अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। ओलंपिक 2036 को ध्यान में रखते हुए अभी से युवा खिलाड़ियों की तैयारी शुरू कर दी गई है। युवा खिलाड़ियों पर बढ़ता फोकस न केवल देश के खेल भविष्य को मजबूत करेगा, बल्कि नई पीढ़ी को फिट और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करेगा।

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रेग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

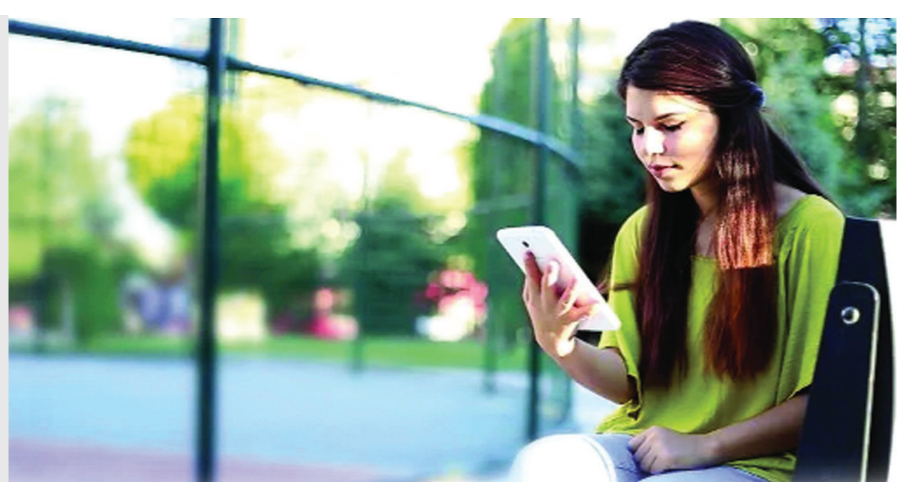

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

पहली बार साथ आएंगे टाइगर और सुनील

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई–ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई–ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने–अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ–टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।

फिल्म को एक फुल–ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है। साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाईं दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा
दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत–बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए। मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

> **दीपिका ने खुद किया कमेंट**
>
> जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त... और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था– 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ...बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना जाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया– 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा– 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा– 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।'

भाषा की बाधा अब खत्म हो रही है

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई–फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स – रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की। बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे–जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे–धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।

एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ–फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स – रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है।

सोना महापात्रा ने बताई बॉलीवुड अवॉर्ड शो की काली सच्चाई

'चेतक स्क्रीन अवॉर्ड' में आलिया भट्ट ने सुनील सिंह ग्रोवर के साथ मिलकर महफिल सजाने की कोशिश की, लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके होस्टिंग के वीडियो को वायरल कर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री को कॉमेडी करनी नहीं आती और वे प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं।

अब सिंगर सोना महापात्रा ने आलिया भट्ट को सपोर्ट करते हुए वीडियो पोस्ट किया है और बॉलीवुड में काम करने वालों की एकता पर भी सवाल किए हैं। सिंगर का कहना है कि जब कोई शो लाइव चलता है तो रीटेक का ऑप्शन नहीं होता है और स्टेज पर आकर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है और बॉलीवुड में लाइव शो करना ही अपने आप में बहुत बड़ा स्टंट है। सिंगर का यह भी कहना है कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन उस दौरान ऑडियंस में बैठे स्टार्स ने भी उनकी होस्टिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जो गलत था और अब ट्रोलिंग होने पर भी कोई सामने नहीं आ रहा है।

सोना महापात्रा ने यह भी साफ किया कि सिर्फ मंच से होस्टिंग काफी नहीं होती है, बल्कि ऑडियंस में बैठे लोगों को भी मंच पर खड़े होस्ट का हौसला बढ़ाना होता है, लेकिन उस दिन सबकी एनर्जी और रिएक्शन मरा हुआ था। उन्होंने खुद का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि शबाना आजमी मिजवान फैशन शो होस्ट करती हैं और वहां रैंप पर चलने वालों की एनर्जी हाई होती है और ऑडियंस में बैठे बॉलीवुड स्टार्स की एनर्जी जीरो होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे आलिया भट्ट को ट्रोल न करें। सिंगर सोना ने कहा, 'मुंबई फिल्म उद्योग सफलता और संघर्ष की मानसिकता को दूर नहीं करती। हम जितने अधिक 'सफल' होते जाते हैं, उतने ही कम उदार होते जाते हैं? तालियों की जगह हिसाब–किताब ले लेता है। प्रोत्साहन की जगह खामोश प्रतिस्पर्धा ले लेती है। सितारों और कामयाब लोगों से भरा कमरा, लेकिन फिर भी, कोई एक–दूसरे का साथ नहीं देता।'

सिंगर ने आलिया को सपोर्ट करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है और यूजर्स भी उनका बराबर साथ दे रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले उनके और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आए हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीतः

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर–डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाईं। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4–4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर–डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।